भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी वकास और गंगा संरक्षण वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या 1942

दिनांक 30 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

.....

कावेरी-वैगई-गुण्डार नदी लंक परियोजना

1942. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:

श्री त मलसेल्वन थंगा:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने कभी कावेरी-वैगई-गुण्डार नदी लंक परियोजना के कार्यान्वयन के वर्तमान चरण और उक्त परियोजना के माध्यम से द क्षणी त मलनाडु में अगले दो वर्षों में प्राप्त होने वाली उपलब्धियों/सृजित होने वाली संभा वत अतिरिक्त संचाई क्षमता का आकलन कया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने त मलनाडु में थेनी, वरुधुनगर और रामनाथपुरम जैसे सूखा-प्रवण जिलों में भूजल पुनर्भरण में उक्त परियोजना की भू मका की कभी जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार को कावेरी-वैगई-गुण्डार परियोजना के लए वत्तीय सहायता हेतु त मलनाडु राज्य सरकार से कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उस पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): कावेरी-वैगई-गुंडर (सीवीजी) लंक परियोजना राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत चह्नित की गई लंक परियोजनाओं में से एक है। इस लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को वर्ष 2020 में राष्ट्रीय जल विकास अ भकरण (एनडब्ल्यूडीए) द्वारा पूरा कया गया और परिचा लत किया गया था। इस परियोजना में कावेरी नदी पर कट्टलाई बैराज से लगभग 2252 एमसीएम पानी के डायवर्जन की परिकल्पना की गई है, जो गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना के माध्यम से कावेरी बेसिन में प्राप्त होने वाले प्रस्तावित अधिशेष पानी के आंशिक आदान-प्रदान के अनुसार है।

(ग): एनडब्ल्यूडीए द्वारा तैयार की गई डीपीआर के अनुसार, लंक परियोजना में करूर, तिरुचिरापल्ली, पुदुकोट्टई, शिवगंगा, रामनाथपुरम, विरुधुनगर और थूथुकुडी के सूखाग्रस्त जिले शामिल हैं और इससे सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भरता कम करके और मार्ग में पड़ने वाले क्षेत्रों के लिए घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए लगभग 218 एमसीएम जल की आपूर्ति करके अप्रत्यक्ष रूप से भूजल उपलब्धता में सुधार होने की संभावना है। तथापि, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने थेनी, विरुधुनगर और रामनाथपुरम जिलों में सीवीजी लिंक परियोजना के भूजल पुनर्भरण प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई परियोजना विशिष्ट अध्ययन नहीं किया है।

(घ): कावेरी-वैगई-गुंडर लंक परियोजना की वित्तीय सहायता हेतु तमिलनाडु राज्य सरकार का कोई प्रस्ताव जल शक्ति मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

*****